जाहरवीर बाबा की आरती

जय जय जय जाहरवीर हरे जय जय गूगा बीर हरे।

धरतीपर आ करके भक्तों के दुख दूर करे॥

जय जय जय जाहरवीर हरे…

जो कोई भक्ति करे प्रेम से हाँ जी करे प्रेम से।

भागे दुख परे विघन हरे, मंगल के दाता तन का कष्ट हरे॥

जय जय जय जाहरवीर हरे…

जेवर राव के पुत्र कहाये रानी बाछल माता।

बागड़ जन्म लिया वीर ने जय-जयकार करे॥

जय जय जय जाहरवीर हरे...

धर्म की बेल बढ़ाई निश दिन तपस्या रोज करे।

दुष्ट जनों को दण्ड दिया जग में रहे आप खरे॥

जय जय जय जाहरवीर हरे...

सत्य अहिंसा का व्रत धारा झूठ से आप डरे।

वचन भंग को बुरा समझकर घर से आप निकरे॥

जय जय जय जाहरवीर हरे...

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

माड़ी में तुम करी तपस्या अचरज सभी करे।

चारों दिशा से भक्त आ रहे आशा लिए उतरे॥

जय जय जय जाहरवीर हरे…

भवन पधारो अटल क्षत्र कर भक्तों की सेवा करे।

प्रेम से सेवा करे जो कोई धन के भण्डार भरे॥

जय जय जय जाहरवीर हरे…

तन मन धन अर्पण करके भक्ति प्राप्त करे।

भादों कृष्ण नौमी के दिन पूजन भक्ति करे॥

जय जय जय जाहरवीर हरे...

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अन्य आरतिया पढ़ें

- गणेश जी
- हनुमान जी
- शनि देव
- अम्बे तू है जगदम्बे
- ओम जय जगदीश हरे
- साईं बाबा
- बालाजी
- बाबा रामदेव जी
- रविदास जी
- महावीर भगवान
- शारदा माता
- भैरव आरती
- राधा जी
- पितर
- पार्वती जी
- आरती कुंजबिहारी

- जय शिव ओंकारा
- महालक्ष्मी जी
- तुलसी माता
- गंगा मैया
- सूर्य भगवान
- नर्मदा जी
- कृष्ण आरती
- विश्वकर्मा जी
- शीतला माता
- जाहरवीर बाबा
- अन्नपूर्णा माता
- ब्रह्मा जी
- शाकंभरी माता
- प्रेतराज सरकार
- परशुराम जी
- बटुक भैरव
- श्री विंध्येश्वरी
- बाबा गंगाराम जी
- बगलामुखी आरती
- आरती ललिता जी की

- गुरु गोरखनाथ
- लड्डू गोपाल
- बद्रीनाथ
- सरस्वती माता
- रघुवर लला
- गीता जी
- श्री रामायण जी
- गौ माता

हिन्दीपथ.कॉम